तटीय मैदानी प्रदेश
(Coastal Plain Region)

- पूर्वी त. मैदान
- पश्चिमी तटीय मैदान

↳ निर्माण / formation :- नदियों के अवसाद के जमाव से व सागरीय लहरों द्वारा

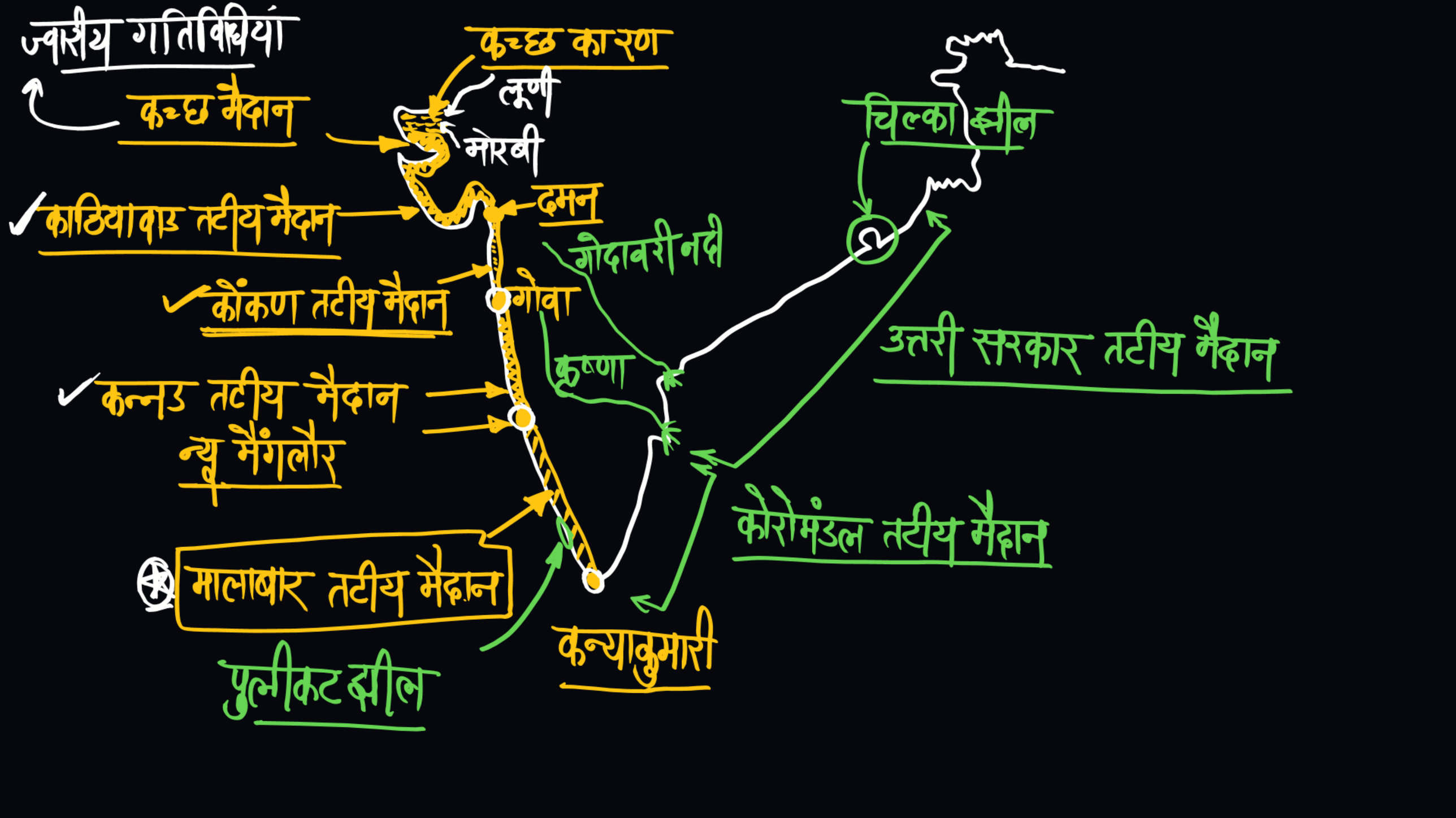
ज्वालीय गतिविधियां
कच्छ मैदान
कच्छ का रण
लूणी
मोरबी
काठियावाड़ तटीय मैदान
दमन
कोंकण तटीय मैदान
गोवा
गोदावरी नदी
कृष्णा
कन्नड़ तटीय मैदान
न्यू मैंगलौर
मालाबार तटीय मैदान
पुलीकट झील
कन्याकुमारी
कोरोमंडल तटीय मैदान
उत्तरी सरकार तटीय मैदान
चिल्का झील

कच्छ का रण

(Marshy Region)

(Runn of Kutch) :- यह एक दलदली क्षेत्र है, जहां लूणी व मोरबी नदियां गिरती हैं।

- → यह भूकम्प प्रभावित क्षेत्र है।
- → यहां ज्वारीय गतिविधियां अधिक सक्रिय हैं।
- → जंगली गधों का प्राकृतिक आवास
- → कच्छ को सफेद या श्वेत मरु कहा जाता है।
  - → नमक | लवणीय तत्वों की परत / चादर

* शीत मरुस्थल
  ↓
  लद्दाख

* श्वेत महाद्वीप
  ↓
  अंटार्कटिका

⊛ काठियावाड़ तटीय मैदान :-

↳ इसका विकास गिर, गिरनार, मांडव, वर्धा आदि पहाड़ियों से आने वाली नदियों द्वारा किये गये अवसादों के जमाव से हुआ है।

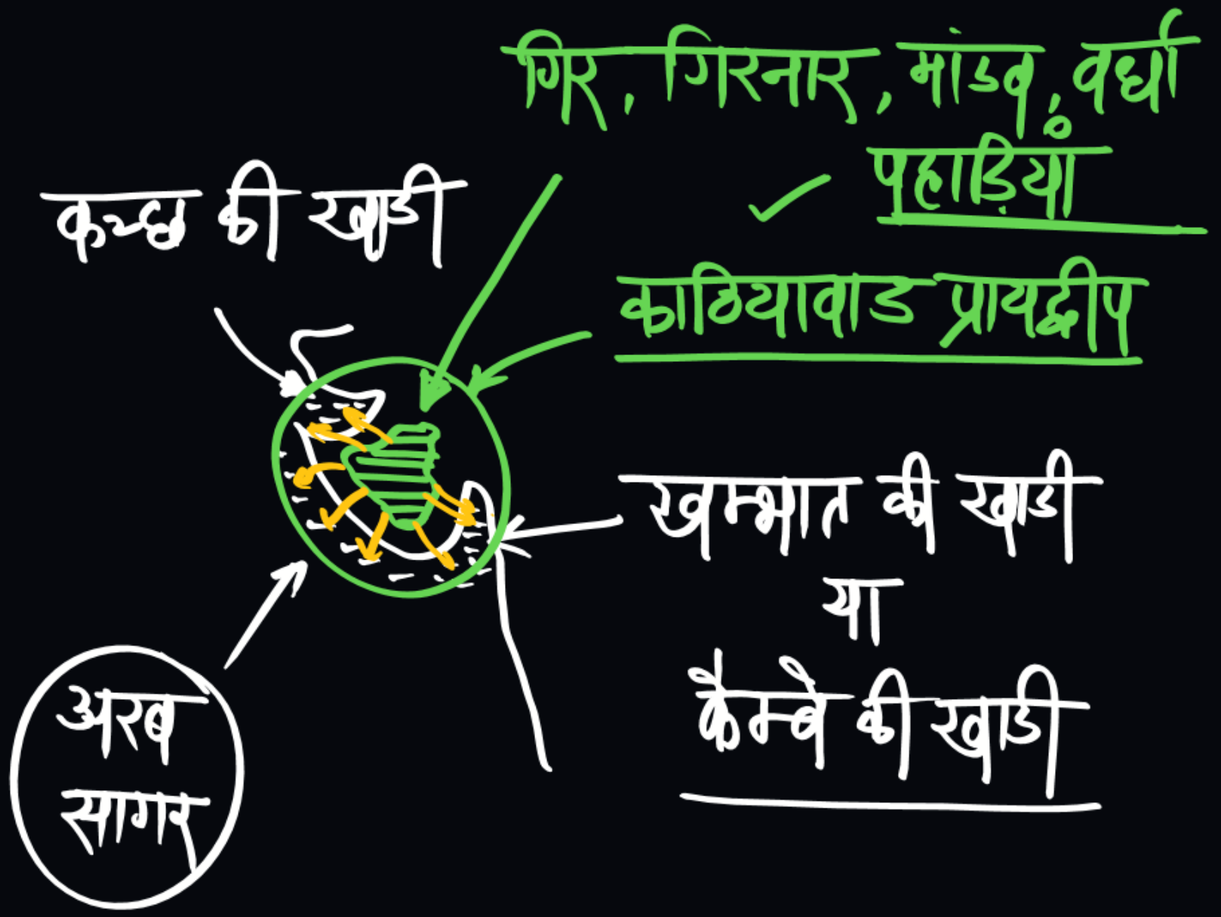

* कोंकण तटीय मैदान :-

- इसका विस्तार दमन से गोवा के मध्य मिलता है।
- महाराष्ट्र व गोवा का तटीय मैदान है।

⊕ कन्नड तटीय मैदान :- गोवा से न्यू मैंगलौर

→ कर्नाटक का तटीय मैदान

→ कर्नाटक में तटीय मैदान की चौडाई न्यूनतम है।

पश्चिमी तटीय मैदान की औसत चौडाई 64 km है।

मालाबार तटीय मैदान :- न्यू मैंगलौर से कन्याकुमारी के मध्य तटीय मैदान

- → यहां पर रेत में मोनोजाइट के निक्षेप पाये जाते हैं।
  - ↳ थोरियम का अयस्क
- → यहां भारत में सर्वाधिक लैगून (Lagoon) पाये जाते हैं, जिन्हे स्थानीय क्षेत्र में (केरल) कयाल कहा जाता है। लैगूनों को ही पश्चजल या बैक वाटर्स भी कहते हैं।
- → यहाँ प्रसिद्ध लैगून – पुलीकट, पुन्नमदा, अष्टईमुडी आदि।
  - केरल (→ पुन्नमदा, अष्टईमुडी)
  - ↳ (पुलीकट) भारत की सबसे लंबी झील है।

Note:- मालाबार तट से पहली बार मुख्य भूमि पर मानसून का आगमन होता है।

दक्षिणी-पश्चिमी मानसून या ग्रीष्मकालीन मानसून